RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 21 जून 2025 वर्ष 07 अंक 63 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबईः बढ़ती लागत के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में सड़क परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की

Page - 2

लोकल में महिलाओं के बीच जरा सी बात पर जमकर मारपीट; महिला खून से लथपथ

मुंबई : मुंबई लोकल में महिलाओं के बीच जरा सी बात पर जमकर मारपीट हुई. यह झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि दोनों तरफ से खूब गुत्थम गुत्था हुई. बताया जा रहा है कि बीगी में एंट्री को लेकर दो महिलाओं में विवाद हो गया था. दरवाजे पर ही महिलाओं के बीच पहले खूब कहासुनी हुई. देखते ही देखते इसने हिंसक रूप ले लिया.

सोशल मीडिया पर इस झगड़े का वीडियो वायरल हो रहा है. जीआरपी ने अब इस घटना की जांच शुरू कर दी है. एक महिला को इस दौरान इतना बुरी तरह मारा गया कि वो खून से लथपथ हो गई.

...अब महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद होगा हल!

राज्य सरकार ने विपक्ष संग समिति का किया पुनर्गठन

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया है। एक जीआर के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली समिति का पुनर्गठन किया गया है, क्योंकि सीमा विवाद से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय गैर-पक्षपातपूर्ण और प्रतिनिधि निकाय द्वारा सर्वसम्मति से लिए जाने की आवश्यकता है।

समय-समय पर नई सरकार आने पर समिति का पुनर्गठन किया जाता रहा है। पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब समिति का पुनर्गठन किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस 18 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष हैं, जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार तथा पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, शरद पवार और पृथ्वीराज चह्वाण शामिल हैं।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद

सीमा विवाद 1957 में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद शुरू हुआ था। महाराष्ट्र ने बेलगावी को राज्य में शामिल करने की मांग की थी, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि वहां मराठी भाषी आबादी काफी है। उसने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया जो वर्तमान में कर्नाटक में हैं। वहीं, कर्नाटक, राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 की महाजन आयोग रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किए गए सीमांकन को आखिरी मानता है।

मुंबई : शहर गड्ढों की समस्या से जूझ रहा...

मुंबई : गड्ढों की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, क्योंकि भारी बारिश ने शहर के सड़क ढांचे की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद कुर्ला रेलवे स्टेशन के बाहर की सड़कें स्पष्ट रूप से खराब हो गई हैं, जिससे यात्रियों की दैनिक परेशानियाँ बढ़ गई हैं, जैसा कि एक्स पर साझा किए गए दृश्यों में देखा जा सकता है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा समय पर कार्रवाई और सड़क की मरम्मत के बारे में कई आश्वासन दिए जाने के बावजूद, कुर्ला, सेवरी, सायन, लालबाग-परेल और पश्चिमी उपनगरों सहित कई इलाकों में गहरे और खतरनाक गड्ढे हैं। बाइक सवार सबसे ज्यादा जोखिम में हैं क्योंकि वे पानी से भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं और कई बार संतुलन खो देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटनाएँ होती हैं और चोट लगती हैं।

SRA ने लांच किया ऑनलाइन बिल्डिंग परमिट सिस्टम...

मुंबई : मुंबई में शहरी विकास को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, बृहन्मुंबई के झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (रफ्अ) ने आधिकारिक रूप से सॉफ्टटेक ऑटोडीसीआर ऑनलाइन बिल्डिंग परमिट सिस्टम लॉन्च किया है। यह डिजिटल पहल झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजनाओं के प्रस्तावों को अधिक कुशलतापूर्वक संसाधित करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव लाती है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी, मंजूरी की गति तेज होगी और मैन्युअल हस्तक्षेप को न्यूनतम किया जाएगा। सॉफ्टटेक इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा विकसित ऑटोडीसीआर प्रणाली भवन योजनाओं की जांच और अनुमोदन प्रक्रिया को स्वचालित करती है। यह प्रणाली डेवलपर्स को ऑनलाइन प्रस्ताव प्रस्तुत करने की सुविधा देती है, जिससे पारंपरिक रूप से समय लेने वाली और कागज-आधारित प्रक्रियाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं। इस स्वचालन से देरी कम होगी, नियामक अनुपालन में सुधार होगा और झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजनाओं से जुड़े हितधारकों के लिए एक अधिक सुगम अनुभव प्रदान किया जाएगा।

''यह लॉन्च केवल एक प्रक्रिया को डिजिटाइज करने के बारे में नहीं है यह इस बात को पुनर्परिभाषित करने के बारे में है कि शहर अपने सबसे कमजोर समुदायों की जरूरतों का उत्तर कितनी तेजी, स्पष्टता और जवाबदेही के साथ दे सकते हैं।

डेंगू का डंक बना सिंघानिया स्कूल के लिए खतरे की घंटी...

ठाणे मनपा ने भेजा कारण बताओ नोटिस

ठाणे : शहर के नामचीन सुनीतोदेवी सिंघानिया स्कूल में डेंगू फैलने के मामले सामने आने के बाद ठाणे महानगरपालिका शिक्षा विभाग ने स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एक जांच समिति द्वारा स्कूल परिसर का निरीक्षण करने पर चौंकाने वाली खामियां सामने आईं, जिससे छात्रों और शिक्षकों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। बता दें कि निर्माण कार्य के चलते स्कूल परिसर में जगह-जगह गड्ढे खुदे हुए हैं, जिनमें बारिश का पानी जमा होकर मच्छरों का अड्डा बन गया है। स्कूल के चारों ओर निर्माण मलबा और कचरे का ढेर लगा है जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है। कक्षाओं में न खिड़कियों की स्क्रीन ठीक हैं, न ही मच्छरों से बचाने वाली मशीनें प्रभावी हैं। जांच के दौरान यह सामने आया कि अब तक 22 छात्र और 5 शिक्षक डेंगू से संक्रमित हो चुके हैं। इसके बावजूद स्कूल प्रशासन द्वारा न तो पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए और न ही परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित की गई। कक्षाओं में पैर धोने की व्यवस्था नहीं है और बीमार छात्रों को लेकर भी गंभीरता नहीं दिखाई गई।

24 घंटे के भीतर कारण बताओ

मनपा ने स्कूल को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में किसी भी छात्र के स्वास्थ्य को नुकसान होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की होगी। जब तक हालात में सुधार नहीं होता, तब तक स्कूल में ऑफलाइन पढ़ाई बंद कर दी गई है और ऑनलाइन शिक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग ने इस मामले में गंभीर रुख अपनाते हुए कहा है कि छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

ठाणे के 26 स्कूल खतरे में...

ठाणे : ठाणे शहर में 35 हजार से अधिक छात्रों की पढ़ाई खतरे में पड़ सकती थी, अगर समय रहते चेतावनी न ली जाती। महानगरपालिका द्वारा किए गए स्ट्रक्चरल ऑडिट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि शहर के 126 स्कूलों में से 26 स्कूल खतरनाक स्थिति में हैं। इनमें से दो स्कूलों की हालत इतनी गंभीर थी कि उन्हें तोड़कर फिर से बनाया जा रहा है, जबकि बाकी 24 स्कूलों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। बता दें कि राज्य सरकार ने इन स्कूलों की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये का फंड जारी किया है। ठाणे मनपा ने इस काम के लिए अप्रैल के अंत में आदेश जारी किए और अब तक शहर के कई हिस्सों में 40 से 70 प्रतिशत तक काम हो चुका है। हालांकि, स्कूलों के फिर से खुलने के कारण मरम्मत का काम अधूरा रह गया है। अब यह तय किया गया है कि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए शनिवार और रविवार को तेजी से काम किया जाएगा।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बेहद खतरनाक बिल्डिंग

म्हाडा के मुंबई बिल्डिंग रिपेयर एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड द्वारा मानसून से पहले किए गए सर्वे में दक्षिण मुंबई की 96 सेस्ड बिल्डिंग बेहद खतरनाक पाई गई थी। इन इमारतों को '79 ए' के तहत पुनर्विकास और घर खाली करने के लिए नोटिस दिए गए थे। हालांकि, बड़ी संख्या में निवासी इन नोटिसों का जवाब दिए बिना बेहद खतरनाक इमारतों में रह रहे हैं। इसलिए, रिपेयर बोर्ड ने अब इन इमारतों की बिजली और पानी की आपूर्ति काटने का फैसला किया है। इस संबंध में जल्द ही कार्रवाई होने की संभावना है। बता दें, कि दक्षिण मुंबई में लगभग 14,000 सेस्ड इमारतें खतरनाक स्थिति में है। मानसून के दौरान इन इमारतों को काफी खतरा होता है। क्योंकि इनके गिरने की संभावना बढ़ जाती है। यही वजह है कि आरआर बोर्ड हर साल मानसून से पहले सेस्ड इमारतों का सर्वेक्षण करता है। उसके बाद, अत्यधिक खतरनाक इमारतों की लिस्ट की घोषणा की जाती है। इन इमारतों के निवासियों को घर खाली करने कहा जाता है और उन्हें ट्रांजिट कैंपों में स्थानांतरित कर दिया जाता है। इस साल तो सुधार बोर्ड की अत्यधिक खतरनाक इमारतों की सूची में 96 इमारतें शामिल हैं। गौरतलब है कि यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में इमारत अत्यधिक खतरनाक इमारतों की सूची में हैं। इस वर्ष बिल्डिंगों से विस्थापित होने वाले परिवारों की संख्या अधिक है। इसलिए, निवासियों का स्थानांतरण बोर्ड के लिए चुनौती बन गया है। वर्तमान में 2577 परिवारों को स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। लेकिन बोर्ड के पास अपने ट्रांजिट कैंप में केवल 700 घर उपलब्ध हैं। इसलिए, सवाल यह है कि शेष निवासियों को कहां और कैसे ठहराया जाए? उच्च जोखिम वाली इमारतों में परिवारों के पुनर्वास के लिए पर्याप्त घर नहीं हैं, इसलिए म्हाडा प्राधिकरण दो विकल्प लेकर आया है। इसके अनुसार, निवासियों को 20,000 रुपये मासिक किराया दिया जाएगा। दूसरी ओर, 500 नए घरों को किराए पर लिया जाएगा और संक्रमण शिविरों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, बारिश की तीव्रता को देखते हुए, जल्द से जल्द घरों को खाली करना आवश्यक है। इस बीच, चूंकि घर खाली नहीं हो रहे हैं, इसलिए सुधार मंडल ने अब संबंधित इमारतों की बिजली और पानी की आपूर्ति काटने का फैसला किया है। म्हाडा आरआर मंडल के सूत्रों ने कहा कि इस संबंध में, जल्द ही मुंबई नगर निगम और बेस्ट को एक पत्र भेजा जाएगा, जिसमें उन्हें 96 इमारतों की पानी और बिजली की आपूर्ति काटने की कार्रवाई करने के लिए कहा जाएगा।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

'भाजपा नहीं चाहती मराठी पार्टियां एकजुट हों'

मनसे से गठबंधन की चर्चा के बीच उद्धव ने लगाया आरोप

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा मराठी दलों को एकजुट नहीं होने देना चाहती और ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की साजिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा हुआ, तो वह भाजपा को खत्म कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी थोपने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के बीच संभावित गठबंधन को रोकने की कोशिश कर रही है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे चचेरे भाई उद्धव ने यह बयान आगामी नगर निकाय चुनावों से पहले दिया है।

शिवसेना की स्थापना के 59 साल पूरे होने पर आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर किसी ने 'ठाकरे ब्रांड' को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, तो उसके गंभीर नतीजे होंगे। उन्होंने कहा, 'मराठी दलों के बीच गठबंधन न हो सके, इसके लिए होटलों और अन्य जगहों पर बैठकें की जा रही हैं।' उद्धव ठाकरे का इशारा शायद राज ठाकरे और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की हालिया होटल में हुई मुलाकात की तरफ था।

उन्होंने कहा, जनता जो चाहती है, वही होगा।

हम देखेंगे कैसे करना है। भाजपा और शिंदे गुट नहीं चाहते कि मराठी दल एकजुट हों। अगर आप ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश करेंगे, तो हम भाजपा को खत्म कर देंगे। मैं तैयार हूं। और बीजेपी से कहना चाहता हूं। अगर मुझसे भिड़ने आ रहे हो, तो एंबुलेंस अपने लिए लेकर आना।

हाल ही में चर्चा थी कि दोनों ठाकरे भाई आगामी नगर निकाय चुनावों में साथ आ सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी थोपने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा मराठी और हिंदी बोलने वालों के बीच फूट डालना चाहती है। हालांकि, उन्हें भरोसा है कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई महानगरपालिका पर फिर से काबिज होगी।

बारिश में धारावी की गलियों में घूम रहा है एक साइलेंट किलर

मुंबई : यह सर्वविदित है कि धारावी में टीबी, मलेरिया, डेंगू और जठरांत्र संबंधी रोग सबसे अधिक प्रचलित बीमारियों में से हैं। लेकिन हर मानसून, जुलाई और सितंबर के बीच, एक खामोश हत्यारा धीरे-धीरे धारावी की गलियों में घुस आता है और वह है लेप्टोस्पायरोसिस। वह खामोश हत्यारा लेप्टोस्पायरोसिस है, यह एक जीवाणु से हेनवाला संक्रमण है जो संक्रमित जानवरों, खासकर चूहों के मूत्र से दूषित पानी से फैलता है। खासकर मानसून के दौरान, जो लोग अच्छे जूते के बिना जलभराव या गंदी सड़कों पर चलते हैं, वे इसके लिए सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं, खासकर अगर उनके पैरों में कोई छोटा कट या चोट हो। धारावी में अभ्यास करने वाले डॉक्टरों का कहना है कि जुलाई और सितंबर के दौरान, जब बारिश अपने चरम पर होती है तब हर महीने लेप्टो के कम से कम 20 से 30 मामले सामने आते हैं, जो सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित करता है, लेकिन बच्चे और बुजुर्ग हेतु यह ज्यादा संवेदनशील होता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में लेप्टोस्पायरोसिस के कारण होने वाली मौतों में 225% की चौंका देने वाली वृद्धि देखी गई, जिसका केंद्र मुंबई था। 2024 में, राज्य में लेप्टो से 26 लोगों की मौत हुई, जो 2023 में आठ थी, और अकेले मुंबई में अक्टूबर 2024 तक इनमें से 18 मौतें हुईं, जिनमें से 953 मामले धारावी, कुर्ला और गोवंडी से थे। 2018 में धारावी के एक 17 वर्षीय लड़के की सायन अस्पताल में लेप्टो से मौत हो गई।

असहाय धारावी

धारावी पुलिस स्टेशन के पीछे हुसैनी मस्जिद के पास एक गली में रहने वाली अमीना बानू शेख ने अपनी झोपड़ी के बाहर एक गली की ओर इशारा किया, जहाँ दो चूहे बिलों में घुस रहे थे। ''मेरे बच्चे यहाँ पूरे दिन खेलते हैं। उनके पास स्कूल जाने के लिए एक-एक जोड़ी चप्पल है, अन्यथा वे नंगे पैर घूमते हैं। मेरी 11 वर्षीय बेटी को पिछले साल लेप्टो हो गया था और मुझे चिंता है कि यह इस साल फिर से हो जाएगा,'' उसने कहा।

मुंबई: बढ़ती लागत के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में सड़क परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की

मुंबई: महाराष्ट्र में परियोजनाओं की बढ़ती लागत के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। राज्य में महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण के कारण देरी न हो, इसके लिए सभी को सतर्क रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने इस बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भूमि अधिग्रहण के लिए समयसीमा दी गई है और इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने निवास पर राज्य में महत्वपूर्ण परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की।

इस बैठक में राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार, सार्वजनिक निर्माण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा म्हैसकर, वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, परिवहन और बंदरगाह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओपी गुप्ता, शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता, महाराष्ट्र सड़क विकास महामंडल के प्रबंध निदेशक अनिल गायकवाड़ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किन परियोजनाओं की समीक्षा की

बैठक में राज्य में सड़क परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की गई, जिसमें नागपुर-गोवा शक्तिपीठ राजमार्ग, विरार-अलीबाग कॉरिडोर, जालना-नांदेड़ एक्सप्रेसवे, पुणे रिंग रोड पूर्व, पश्चिम और विस्तार, भंडारा-गढ़चिरौली एक्सप्रेसवे, नागपुर-चंद्रपुर एक्सप्रेसवे, नागपुर-गोंदिया एक्सप्रेसवे, नवेगांव (मोर) -सूरजगढ़ खनिज कॉरिडोर, वधान-इगतपुरी एक्सप्रेसवे, साथ ही वर्धा-नांदेड़ के भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की गई। वर्धा-गढ़चिरौली रेलवे परियोजनाएं और कोल्हापुर, कराड, अकोला, गढ़चिरौली और छत्रपति संभाजीनगर में हवाई अड्डे भी शामिल है।

मुंबईः महायुति द्वारा राज ठाकरे को अपने पक्ष में लाने के प्रयास तेज....

मनसे और भाजपा के बीच गठबंधन की अटकलें लगाई...

मुंबईः आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर ठाकरे बंधुओं के एकजुट होने की अटकलों के बीच अब महायुति द्वारा राज ठाकरे को अपने पक्ष में लाने के प्रयास तेज हो गए हैं। पिछले ही हफ्ते उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर मनसे प्रमुख राज से मुलाकात की थी। तभी से मनसे और भाजपा के बीच गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब, महायुति का हिस्सा रहे एकनाथ शिंदे गुट ने भी राज को अपने पक्ष में करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। आगामी मुंबई और ठाणे

महापालिका (नगर निगम) चुनावों के लिए राज को अपने साथ लाने के लिए उद्धव भी सक्रिय हैं। लेकिन यदि दोनों ठाकरे बंधु एक साथ आते हैं, तो मराठी मतों का रुझान उनकी ओर हो सकता है, जिससे अन्य पक्षों को नुकसान हो सकता है। ठाकरे गुट के नेताओं द्वारा मनसे के साथ गठबंधन की बातें और बैनरबाजी की जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में अब मुख्यमंत्री और शिंदे ने भी राज को अपने पक्ष में लाने के प्रयास शुरू किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज को अपने पाले में लाने की जिम्मेदारी शिंदे ने मंत्री उदय सामंत को सौंपी है।

कुछ दिन पहले सामंत शिवतीर्थ पर 'खिचड़ी' खाने पहुंचे थे, तभी से मनसे और शिंदे गुट के बीच बातचीत शुरू हुई है और अब यह बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है। चर्चा है कि इस बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए शिंदे जल्द ही राज को स्नेहभोजन के लिए आमंत्रित करेंगे। इससे यह संभावना बढ़ गई है कि ठाकरे बंधुओं के एक होने की चर्चा पर विराम लग सकता है। ठाकरे गुट और मनसे के कार्यकर्ताओं में भले ही दोनों भाइयों के एक साथ आने की इच्छा हो, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेताओं में वैसा उत्साह नहीं दिख रहा है।

नालासोपारा में जर्जर चॉलों का कहर...

बारिश में ढही दीवार, टला बड़ा हादसा

नालासोपारा : नालासोपारा पूर्व में लगातार हो रही तेज बारिश ने इलाके की जर्जर चॉलों की बदहाल स्थिति को एक बार फिर उजागर कर दिया है। गुरुवार को दो अलग-अलग घटनाओं में चॉलों की असुरक्षित स्थिति सामने आई, हालांकि गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना गुरुवार सुबह संतोष भवन क्षेत्र में हुई, जहां एक चॉल में बाथरूम की पानी की टंकी अचानक टूटकर गिर गई। इससे शौचालय का हिस्सा नीचे धंस गया। संयोगवश, घटना के समय शौचालय में कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इसी दिन सुबह करीब 10 बजे, एफ प्रभाग अंतर्गत

पेल्हार क्षेत्र के बावसेत पाड़ा स्थित श्रीकृष्ण चॉल में बारिश के कारण एक दीवार ढह गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह चॉल कई सालों से खस्ताहाल स्थिति में है। निवासियों का आरोप है कि नगर निगम या किसी संबंधित विभाग ने अब तक इसकी सुध नहीं ली है। बारिश के कारण दीवारों में सीलन और फर्श की नींव में कमजोरी साफ दिख रही है, जो गंभीर खतरे का संकेत है। चॉल में रहने वाले परिवारों का कहना है कि हर बारिश के साथ उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व बविआ नगरसेवक प्रमोद दुबे मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि जर्जर चॉलों की तुरंत जांच कराई जाए और आवश्यक मरम्मत या पुनर्विकास कार्य शुरू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी कोई अप्रिय घटना न हो।

24.96 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त

मुंबई : मुंबई कस्टम्स जोन-क्क्क के अधिकारियों ने ड्रग तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की गई कार्रवाई में अधिकारियों ने दुबई जा रहे यात्री के पास से सवा करोड़ रुपये के हीरे और विदेशी मुद्रा जब्त की है. इसके साथ ही थाईलैंड से तस्करी कर लाए गए 24.96 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजे को जब्त किया है, जिसकी अवैध बाजार कीमत लगभग 24.66 करोड़ रुपये आंकी गई है. मुंबई कस्टम्स जोन-क्क्क के अधिकारियों ने विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक भारतीय नागरिक को 17 जून 2025 को दुबई जाने से पहले इंडिगो फ्लाइट नंबर 6ए 1511 से रवाना होने के दौरान रोका।

मुंबईः दक्षिण मुंबई की 96 सेस्ड बिल्डिंग बेहद खतरनाक;

बिजली और पानी की आपूर्ति काटने का फैसला...

मुंबईः म्हाडा के मुंबई बिल्डिंग रिपेयर एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड द्वारा मानसून से पहले किए गए सर्वे में दक्षिण मुंबई की 96 सेस्ड बिल्डिंग बेहद खतरनाक पाई गई थी। इन इमारतों को '79 ए' के तहत पुनर्विकास और घर खाली करने के लिए नोटिस दिए गए थे। हालांकि, बड़ी संख्या में निवासी इन नोटिसों का जवाब दिए बिना बेहद खतरनाक इमारतों में रह रहे हैं। इसलिए, रिपेयर बोर्ड ने अब इन इमारतों की बिजली और पानी की आपूर्ति काटने का फैसला किया है। इस संबंध में जल्द ही कार्रवाई होने

की संभावना है।

इस साल अत्यधिक खतरनाक बिल्डिंग शामिल

बता दें, कि दक्षिण मुंबई में लगभग 14,000 सेस्ड इमारतें खतरनाक स्थिति में है। मानसून के दौरान इन इमारतों को काफी खतरा होता है। क्योंकि इनके गिरने की संभावना बढ़ जाती है। यही वजह है कि आरआर बोर्ड हर साल मानसून से पहले सेस्ड इमारतों का सर्वेक्षण करता है। उसके बाद, अत्यधिक खतरनाक इमारतों की लिस्ट की घोषणा की जाती है।

इन इमारतों के निवासियों को घर खाली करने कहा जाता है और उन्हें ट्रांजिट कैंपों में स्थानांतरित कर दिया जाता है। इस साल तो सुधार बोर्ड की अत्यधिक खतरनाक इमारतों की सूची में 96 इमारतें शामिल हैं। गौरतलब है कि यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में इमारत अत्यधिक खतरनाक इमारतों की सूची में हैं। इस वर्ष बिल्डिंगों से विस्थापित होने वाले परिवारों की संख्या अधिक है। इसलिए, निवासियों का स्थानांतरण बोर्ड के लिए चुनौती बन गया है। वर्तमान में 2577 परिवारों को स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। लेकिन बोर्ड के पास अपने ट्रांजिट कैंप में केवल 700 घर उपलब्ध हैं।

पीएम मोदी सिवान की धरती से 22 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

मुंबईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार की यात्रा पर जा रहे हैं. पिछले कुछ दिनों में उनकी यह तीसरा बिहार दौरा है. इस दौरान वह प्रदेश को हजारों करोड़ का तोहफा देंगे. पीएम मोदी सिवान की धरती से 22 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के साथ ही उसका उद्घाटन भी करेंगे. पीएम मोदी का सिवान दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण है. वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र जा रहे हैं. वहां वह दो कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे. देश की राजधानी दिल्ली में भी शुक्रवार को बड़ी बैठक होने जा रही है.

वसई विरार में बारिश ने खोली बड़े-बड़े नाले के नवीनीकरण की पोल

नालासोपारा। वसई-विरार शहर में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। गुरुवार को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा, जिससे वसई विरार शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली है। लगातार बारिश के कारण शहर की कई मुख्य सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है। जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो गई है,। वसई विरार में करोड़ों के लागत से खूब बड़े बड़े नालों का चारो तरफ नवीनीकरण किया गया मानसून के दौरान वसई-विरार में पानी नहीं भरेगा, यहां की भाग दौड नहीं रुकेगी। यह भी दावा किया गया कि इस मानसून सीजन में वसई-विरारकरों को बिल्कुल भी परेशानी नहीं होगी।

मुंबई : दुबई जा रहे एक यात्री से 50,000 सऊदी रियाल और 1.70 करोड़ रुपये मूल्य के हीरे जब्त !

मुंबई : छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने दुबई जा रहे एक यात्री से 50,000 सऊदी रियाल और 1.70 करोड़ रुपये मूल्य के हीरे जब्त किए। इसे यात्री के हैंडबैग और शरीर के अंदर छिपाया गया था। सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर सीएसएमआईए के कस्टम अधिकारियों ने 652.20 कैरेट के हीरे और विदेशी मुद्रा बरामद की।

मुंबईः कॉलेज की तीसरी मंजिल से छात्रा ने लगाई छलांग, मौत

मुंबईः विलेपार्ले स्थित साठे कॉलेज की एक छात्रा ने संस्थान की तीसरी मंजिल से कूद कर जान दे दी। पुलिस ने बताया, नालासोपारा निवासी संध्या पाठक (21) स्टेटिस्टिक्स तृतीय वर्ष की छात्रा थी। बृहस्पतिवार को वह कॉलेज आई और तीसरी मंजिल पर जाकर छलांग लगा दी। घटना में उसे गंभीर चाटें आईं। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा के पास सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस यह पता लगा रही है कि उसने आत्मघाती कदम क्यों उठाया। दुर्घटनावश मौत के केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

मुंबईः अदालत ने नीरव मोदी की 66 करोड़ रुपये की संपत्ति पीएनबी को सौंपने की दी अनुमति

मुंबईः विशेष अदालत ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उनकी बहन पूर्वी मोदी की 66.33 करोड़ रुपये की संपत्ति पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को सौंपने की अनुमति दे दी। यह संपत्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएनबी धोखाधड़ी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कुर्क की थी। पीएनबी ने कोर्ट में इन संपत्तियों की बिक्री या नीलामी से बकाया राशि वसूलने की मांग को लेकर अर्जी दी थी। विशेष जज एवी गुजराथी ने बैंक को निर्देश दिया कि वह हलफनामा दे कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो बेची गई संपत्ति की राशि वापस की जाएगी। पीएनबी के नेतृत्व में बैंकों के समूह ने दावा किया था कि नीरव व उनके सहयोगियों की धोखाधड़ी से उन्हें 8,526 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। जबकि, ईडी ने करीब 2,324.97 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं।

मुंबई : आपसी कटाक्ष और पलटवार की वजह से सुर्खियों में राणे बनाम राणे!

मुंबईः महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय सबसे गर्म चचाओं में एक नाम है। राणे बनाम राणे! एक ऐसा सियासी ड्रामा, जो घर के अंदर की नाराजगी से शुरू होकर अब खुले मंच पर आ गया है। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के दोनों बेटे निलेश राणे और नितेश राणे अब सिर्फ विचारों में नहीं, बल्कि शब्दों के स्तर पर भी आमने-सामने आ गए हैं। जिस परिवार की छवि अब तक एकजुट और संगठित मानी जाती थी, वही परिवार अब सोशल मीडिया पर आपसी कटाक्ष और पलटवार की वजह से सुर्खियों में है।

दरअसल, कुछ दिन पहले नितेश राणे ने एक जनसभा के दौरान एक बेहद तीखा बयान दिया ''भाजपा का मुख्यमंत्री सबका बाप होता है।'' यह बयान उन्होंने धाराशिव जिले में एक भाषण के दौरान दिया था। ये शब्द शिंदे गुट की शिवसेना को चुभ गए। इसे एक तरह से अपने ही गठबंधन के साथी पर हमला माना गया। इस बात को लेकर शिवसेना खेमे में नाराजगी छा गई। लेकिन सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया, जब नितेश के बड़े भाई निलेश राणे ने ही सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना कर डाली।

बड़े भाई ने छोटे को दी चेतावनी

निलेश राणे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा ''नितेश को बोलते वक्त सोच-समझकर बोलना चाहिए। किसके शब्द किसे फायदा पहुंचा रहे

हैं, ये जानना जरूरी है। हम गठबंधन में हैं, मंच से जोश में बोलना आसान होता है, लेकिन हर बात का असर होता है।'' निलेश की ये पोस्ट सिर्फ एक सलाह नहीं थी, बल्कि राजनीतिक गलियारों में इसे सीधे-सीधे डांट माना गया। खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने अपने ही भाई को सार्वजनिक मंच पर घेरा। निलेश की पोस्ट का जवाब नितेश ने कुछ दिन बाद दिया और वो भी पूरे शातिर अंदाज में। उन्होंने अपने बड़े भाई की पुरानी पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें निलेश ने खुद गठबंधन की एकता और सहयोग की बात कही थी। इस स्क्रीनशॉट के साथ नितेश राणे ने लिखा ''आदरणीय निलेशजी, आपने ही कुछ दिन पहले महागठबंधन के बारे में कहा था। अब उसी गठबंधन के साथी विधायक को धमकाना कहां तक उचित है? आखिर हम एक साथ हैं, उम्मीद करता हूं आप इस पर विचार करेंगे।'' राणे परिवार राजनीति में दशकों से सक्रिय रहा है। नारायण राणे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनके दोनों बेटे भी राजनीति में खासे सक्रिय हैं। नितेश राणे भाजपा से विधायक और राज्य में मंत्री हैं। निलेश राणे, जो पहले भाजपा में थे, अब शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक हैं। दरार की शुरूआत तब हुई जब भाजपा ने एक ही परिवार से दो लोगों को टिकट देने से इंकार किया। निलेश को पार्टी ने किनारे किया और नतीजतन उन्होंने शिंदे गुट का दामन थाम लिया।

क्या यह सिर्फ बयानबाजी है या अंदरूनी सियासी जंग

राजनीतिक जानकार मानते हैं कि ये झगड़ा सिर्फ शब्दों का नहीं है, बल्कि सत्ता और पहचान की भी लड़ाई है। निलेश को यह नागवार गुजर रहा है कि छोटे भाई को मंत्री पद मिला और उन्हें टिकट तक नहीं मिला। वहीं नितेश शायद इस बात से आहत हैं कि भाई होकर भी निलेश ने सार्वजनिक रूप से उन पर हमला बोला।

मुंबई : बालासाहेब के विचारों का वटवृक्ष बढ़ता रहा... यह शिवसेना देशभर में बढ़ रही है – शिंदे

मुंबई : शिवसेना की प्रगति की सराहना करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पार्टी का मतलब मराठी लोगों के लिए ''उंची आवाज'' है। उन्होंने उल्लेख किया कि पार्टी ने पिछले 59 वर्षों में कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन ''बरगद के पेड़'' की तरह बढ़ती रही है। एकनाथ शिंदे शिवसेना स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''यह रैली बालासाहेब के विचारों पर आधारित है। दूसरी रैली सत्ता के लालची लोगों के बारे में है। मराठी लोगों की बुलंद आवाज का मतलब है शिवसेना, शिवसेना का मतलब है स्वाभिमान, अभिमान,

धनुष-बाण और हमारा जीवन। 59 वर्षों में शिवसेना ने कई चुनौतियों का सामना किया है। बालासाहेब के विचारों का वटवृक्ष बढ़ता रहा, यह शिवसेना देशभर में बढ़ रही है। कल सात राज्यों के प्रमुख आए। शिवसेना बढ़ रही है। कई लोगों को शिवसेना में शामिल होना है।'' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधा और कहा कि 2014 में शिवसेना ने 282 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसका स्ट्राइक रेट 22 प्रतिशत था; हालांकि, पार्टी 2024 के चुनावों में 80 में से 60 सीटें जीतेगी।

शिंदे ने कहा कि जो भी हो, शिवसेना (यूबीटी) ने जो सीटें जीती हैं, वह कांग्रेस की ''दया'' के कारण हैं। ''2014 में शिवसेना ने 282 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसका स्ट्राइक रेट 22% था। 2024 में उसने 80 सीटों पर चुनाव लड़ा और 60 सीटें जीतीं। उन्हें हमारी शिवसेना के 1/3 वोट भी नहीं मिले। उसने जो सीटें जीतीं, वे कांग्रेस की दया पर थीं'', एकनाथ शिंदे ने कहा। उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि उनका ''अहंकार'' उन्हें ''विनाश'' की ओर ले जा रहा है। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र ने ऐसा ''विश्वासघाती व्यक्ति'' कभी नहीं देखा और आरोप लगाया कि उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के ''विचारों'' के साथ विश्वासघात किया। ''अहंकार उन्हें विनाश की ओर ले जा रहा है। महाराष्ट्र इसका गवाह है। हम जानते हैं कि कांग्रेस को अपने गले में बांधने का पाप किसने किया।

मुंबई : आवारा जानवरों को खाना देने का विरोध करने पर होगा मामला दर्ज

मुंबई : आवारा कुत्ते और बिल्लियों जैसे जानवरों को खाना खिलाने वाले नागरिकों को परेशान करना एक दंडनीय अपराध है। पालतू कुत्तों से संबंधित निर्धारित कर का भुगतान करना और पालतू जानवरों के लाइसेंस से जुड़ी शर्तों और नियमों का पालन करना अनिवार्य है। इस संबंध में मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी नागरिकों को इन नियमों का पालन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट और भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के निर्देश पर मनपा प्रशासन ने नई नियमवाली बनाई है। इस नियमावली में आवारा और पालतू जानवरों को लेकर मनपा ने पालतू जानवरों के मालिकों, उन्हें खाना खिलाने वाले नागरिकों और विभिन्न संस्थाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत जारी किया है। यह दिशा निर्देश मनपा के पशु चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट https://vhd.mcgm.gov.if/ पर विस्तार से उपलब्ध हैं। मनपा प्रशासन ने अपील की है कि पालतू जानवर पालने वाले नागरिक, जानवरों को खाना देने वाले लोग और संबंधित संस्थाएं इन मार्गदर्शक सिद्धांतों का कड़ाई से पालन करें। आजकल कई लोग पालतू कुत्तों को अपने साथी के रूप में पालते हैं। अनेक पशु प्रेमी और कार्यकर्ता आवारा कुत्तों की देखभाल करते हैं उन्हें खाना खिलाने और इलाज आदि सुविधा उपलब्ध कराते हैं।

भिवंडी में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित...

जलजमाव और बाढ़ का खतरा गहराया

भिवंडी : भिवंडी शहर और ग्रामीण इलाकों में बीती रात से मूसलधार बारिश का सिलसिला जारी है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर आशंका उत्पन्न हो गई है। अगर बारिश की तीव्रता इसी तरह बनी रही तो हालात और भी अधिक गंभीर हो सकते हैं। शहर से सटे हुए कामवारी नदी की जलस्तर में भी लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पानी के तेज प्रवाह के कारण नदी में उग आई जलकुंभी (वॉटर हायसिंथ) बहकर नदी नाका पुल के नीचे आकर फंस गई है, जिससे नदी का प्रवाह अवरुद्ध हो रहा है और बाढ़ का खतरा और अधिक बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द ही इन जलकुंभी को हटाया नहीं गया, तो भारी बारिश की स्थिति में नदी का पानी सीधे शहर में घुस सकता है और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वर्तमान में रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है, और हर बीतते घंटे के साथ खतरा और अधिक बढ़ता जा रहा है। हालांकि नदी पुल के नीचे जलकुंभी फंसे होने की सूचना पहले ही मिल चुकी है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

ठाणे में विधायक के अचानक दौरे से मचा हड़कंप...

राशन वितरण कार्यालय की पोल खुली

ठाणे : ठाणे के कोर्ट नाका स्थित राशन वितरण कार्यालय में विधायक संजय केलकर के अचानक निरीक्षण से हड़कंप मच गया। कार्यालय की जर्जर स्थिति, साफ-सफाई की कमी और सुरक्षा के अभाव ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधायक केलकर ने मौके पर बाथरूम की दुर्दशा, छत से पानी टपकने की स्थिति और परिसर में गंदगी देख कड़ा रोष व्यक्त किया।

उन्होंने देखा कि कार्यालय परिसर में एक पुराना जामुन का पेड़ गिरने की कगार पर है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। साथ ही, रास्ते पर पेव्हर ब्लॉक न होने से आने जाने में नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में केलकर के प्रयासों से इस कार्यालय को आईएसओ मान्यता प्राप्त हुई थी, लेकिन पीडब्ल्यूडी की लापरवाही से अब हालत फिर से बिगड़ती जा रही है। निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों ने भी विधायक से संवाद कर शिकायतें साझा कीं। केलकर ने तत्काल पीडब्ल्यूडी के सचिन पाटिल सहित अधिकारियों को बुलाया और साफ शब्दों में चेतावनी दी कि सभी मरम्मत कार्य 10-12 दिनों में पूरे किए जाएं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com